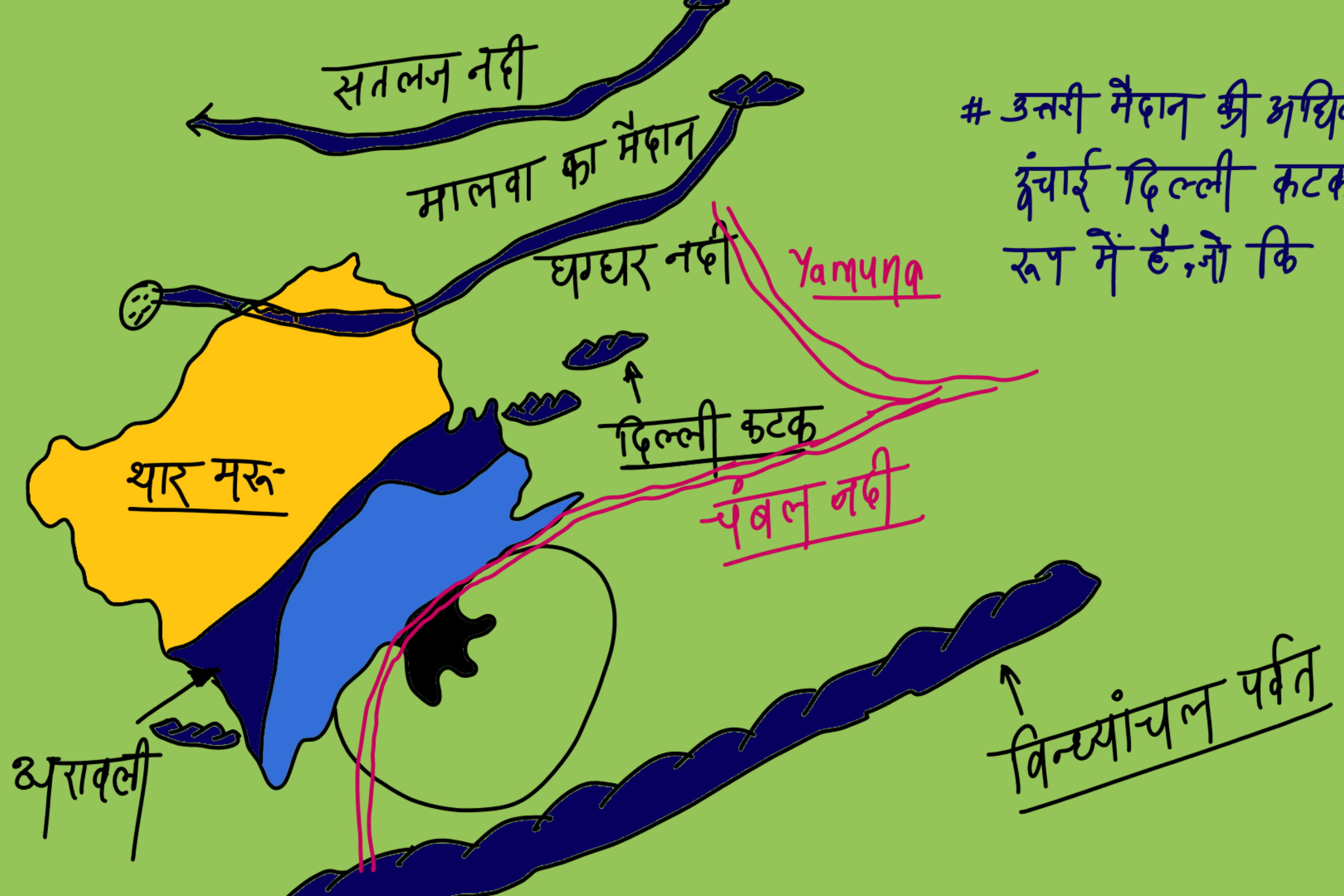


②. उत्तरी विशाल मैदान

- लगभग 7 लाख km^2 क्षेत्र पर विस्तृत है जो दुनिया का सर्वाधिक उपजाऊ मैदान है।
- निर्माण → प्लिस्टोसीन काल के दौरान हिमालय तथा प्रायद्वीप की ओर से आने वाली नदियों द्वारा अवसादीकरण से निर्मित मैदान है।
- कुल लंबाई = 3200 km

- औसत गहराई = 200 मी.
- अधिकतम गहराई = 291 मी.
- औसत चौड़ाई = 1000 से 2000 मीटर
- औसत चौड़ाई = 150 से 300 km



उत्तरी विशाल मैदान

भौगोलिक वर्गीकरण

- (i) भाबर प्रदेश
- (ii) तराई प्रदेश
- (iii) जलोढ़ प्रदेश

प्रादेशिक वर्गीकरण

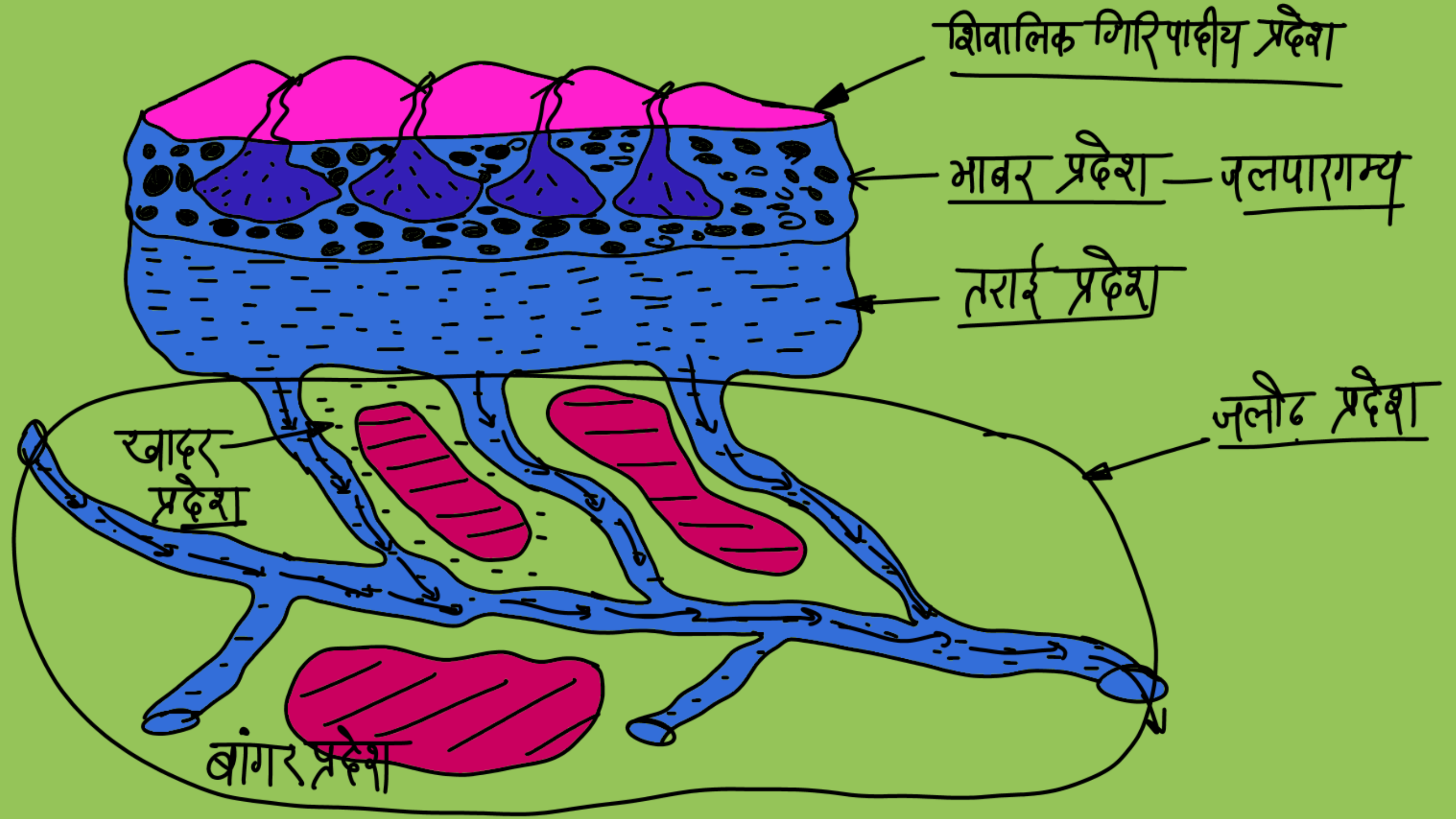
(i) सिंधु अथवा
पंजाब-हरियाणा
का मैदान

(ii) गंगा का मैदान

- (a) ऊपरी गंगा मैदान
- (b) मध्य गंगा मैदान
- (c) निचला गंगा मैदान

(iii) ब्रह्मपुत्र अथवा
असम का
मैदान

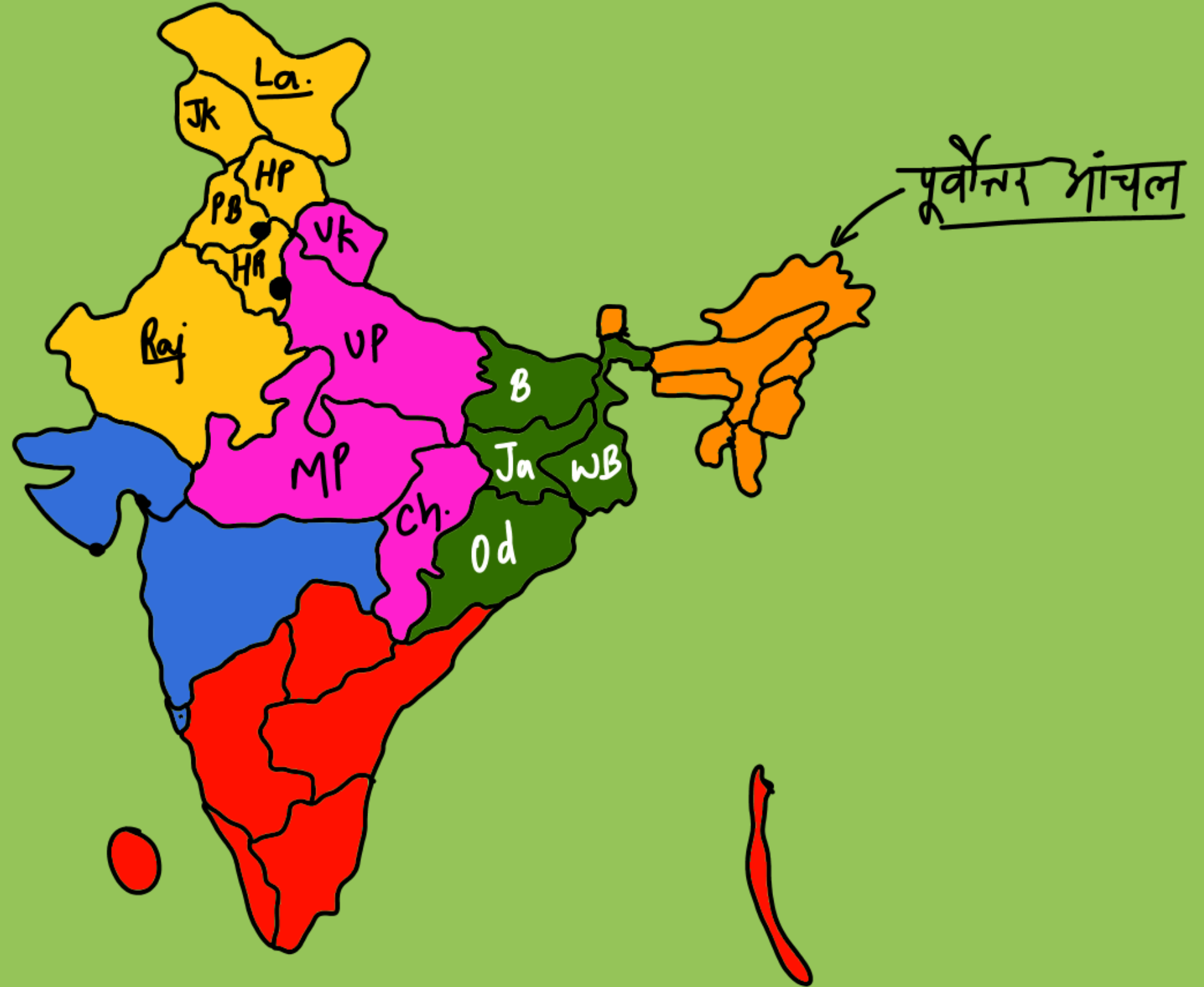
①. भौगोलिक वर्गीकरण (Physical Classification)



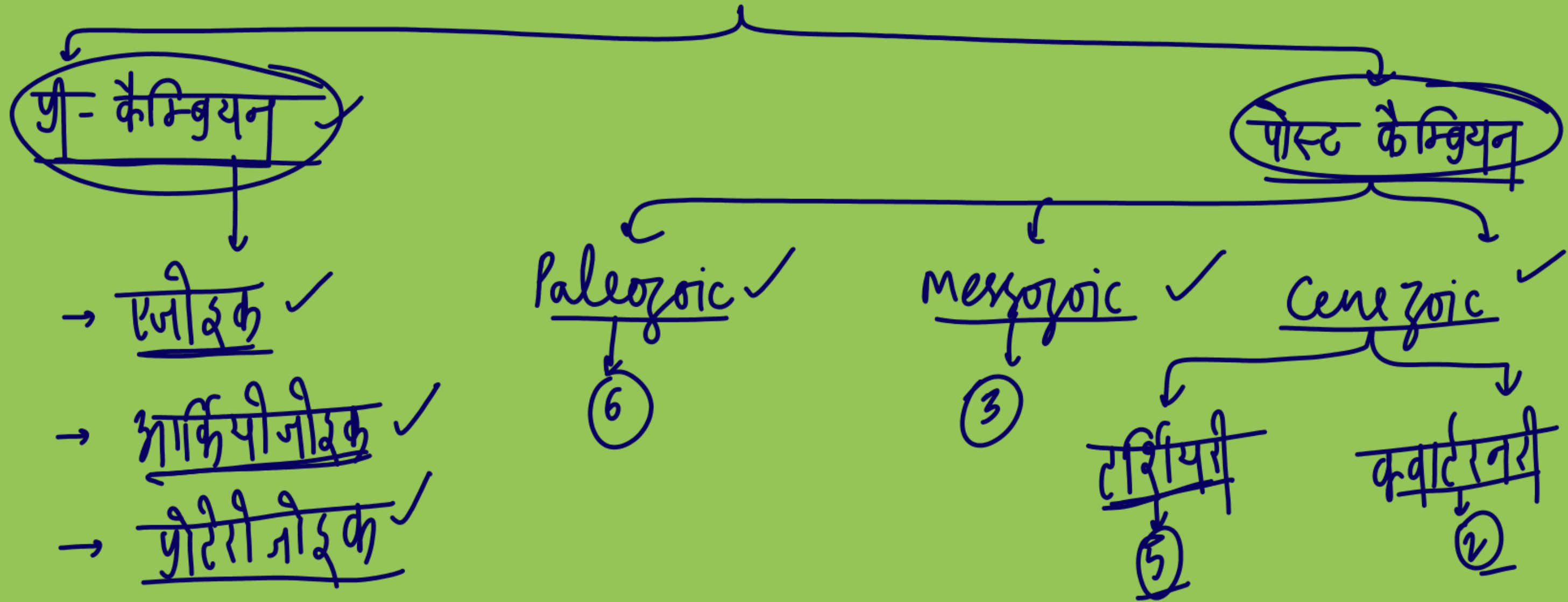
①. भाबर प्रदेश :- शिवालिक श्रृंखला के समान्तर इसके गिरिपटीय क्षेत्र में बड़े पत्थरों, गोलाश्मों व बजरी का जमाव मिलता है जो कि 8 से 10 km चौड़ी पट्टी के रूप में विस्तृत है।

→ यह जलपागम्य क्षेत्र है जहाँ धरातल पर छोटी नदियाँ द्विज्वार नहीं होती हैं।

④ तराई प्रदेश :- भारत प्रदेश के दक्षिण में 10 से 20 km चौड़ी पट्टी के रूप में विस्तृत है जहां भारत में विलुप्त नदियों का जल पहली बार धरातल पर प्रकट होता है जिससे यहां अनूप अथवा फलफली भूमि का विकास हो जाता है। यह अत्यधिक उपजाऊ क्षेत्र होता है तथा सघन वनस्पतियां पायी जाती हैं।



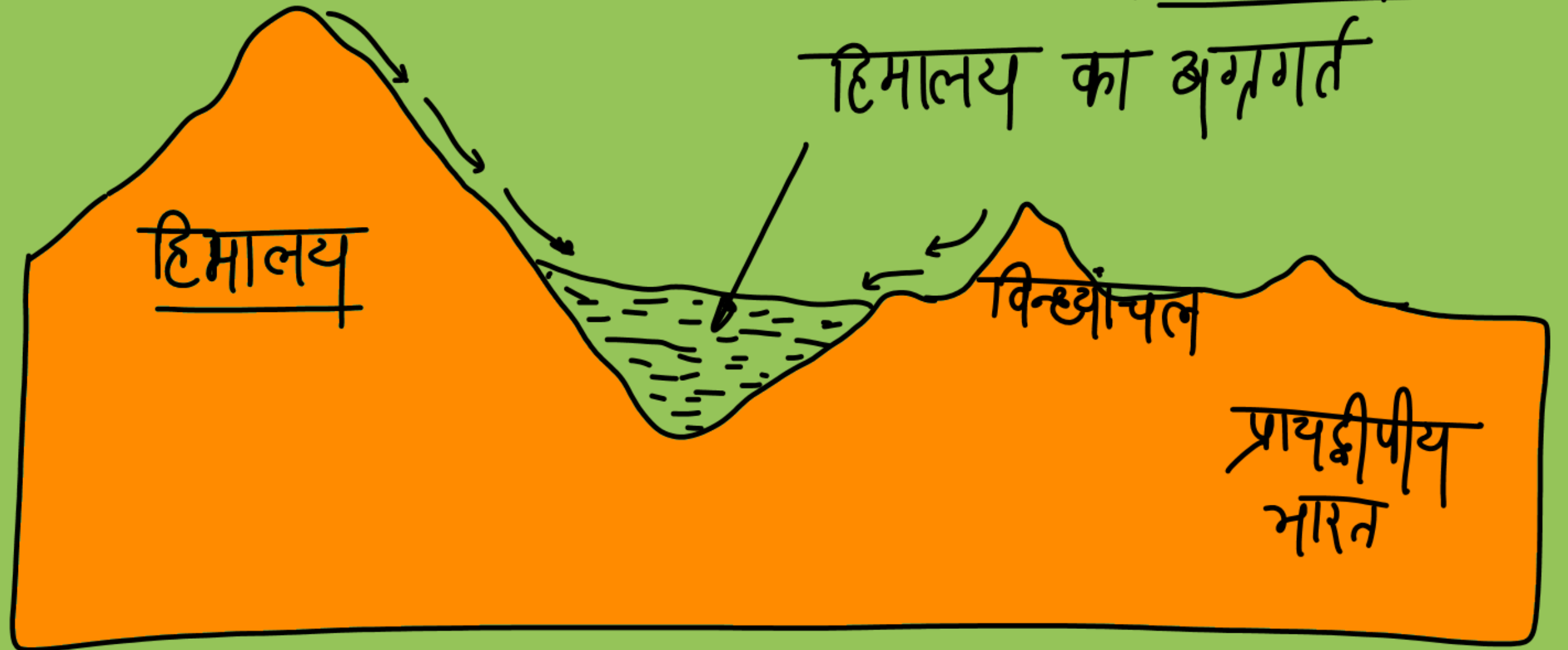
भूगर्भिक समय सारणी



प्लिस्टोसीन

(Flooded)

हिमालय का बग़गर्त



हिमालय

विन्ध्योचल

प्रायद्वीपीय
भारत